महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय

चित्रकूट, जिला–सतना (म.प्र.) 485334

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम

उत्तरपुस्तिका 2020–21

परीक्षक के प्रयोग हेतु					केन्द्राध्यक्ष की रबर मोहर
प्रश्नसं0	प्राप्तांक				परीक्षार्थी द्वारा भरा जाए **To be filled by the Candidate**
	अ	ब	स		
1.					Class/Examination .....
2.					Year .....
3.					Paper.....
4.					.....
5.					Roll No./ Enrolment No./REGN. No. .....
6.					.....
7.					(in Words).....
8.					.....
9.					Date of Examination.....
10.					Day of Examination .....
योग					
कुल योग (अंको में)					
शब्दों में					
परीक्षक के पूर्ण हस्ताक्षर					Entries Checked and Verified (Full Name and Signature of Centre Incharge)

(परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों को पढ़ें तथा अवश्य पालन करें)

समाज कार्य स्नातक (सामुदायिक नेतृत्त्व) परीक्षा 2020–21

डिप्लोमा स्तर (Diploma Level)

विषय – समाज कार्य का इतिहास एवं पद्धतियाँ

(History and Methods of Social Work)

- **आांतरिक, वाह्य एवं पूरक परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिये एक ही प्रश्नपत्र है।**
- **आन्तरिक के 20 अंको हेतु निम्नलिखित प्रश्नो मे से किन्ही दो प्रश्नो का उत्तर देना है।**
- **बाह्य परीक्षा हेतु 80 अंको के लिये आन्तरिक परीक्षा के लिये चुने गये प्रश्नो को छोड़कर शेष में से किन्ही पांच प्रश्नो के उत्तर देना है।**
- **पूरक परीक्षा के परीक्षार्थी को भी इस प्रश्नपत्र के प्रश्नो में से आन्तरिक के लिये किन्ही दो प्रश्नो एवं वाह्य के लिये किन्ही पांच प्रश्नो के उत्तर देना है।**

---

1. सामूहिक समाजकार्य से आप क्या समझते हैं? सविस्तार वर्णन करें।
2. सामुदायिक संगठन की अवधारणा बताइये। भारत में सामुदायिक संगठनों के स्वरूप एवं कार्य बताइये।
3. समाजकार्य से आप क्या समझतें हैं? भारत में समाजकार्य का इतिहास बताइए।
4. समाजकार्य के प्रमुख प्राथमिक पद्धतियों को बताते हुए वैयाक्तिक समूह कार्य एवं सामूहिक समाजकार्य में अन्तर बताइयें। भारत में समाजकार्य के उद्भव एवं विकास की विवेचना कीजिए।
5. अभिप्रेरणा क्या है? अभिप्रेरणा के प्रकार तथा प्रमुख सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।
6. वयैक्तिक समाजकार्य पद्धति की प्रमुख प्रविधिओं की विवेचना कीजिए।
7. सामूहिक समाजकार्य के प्रमुख सिद्धान्तो एवं उसकी व्यवहारिक उपयोगिता बताइए।
8. चेतन अर्द्धचेतन एवं अचेतन मन को समझाइए। इसाई मिशनरियों द्वारा किये जाने वाले समाजकार्य के गुण व दोष बतायें।
9. अपने अध्ययन क्षेत्र में व्याप्त किसी व्यक्तिगत असमायोजन का सविस्तार वर्णन कीजिए।
10. सामूहिक समाजकार्य का तात्पर्य, प्रमुख सिद्धान्त एवं कार्य पद्धतियों का विवेचना कीजिए। सामुदायिक विकास को स्पष्ट कीजिए।
11. भारत में समाज कार्य का उद्भव कैसे हुआ? वर्णन करें।
12. वैक्तिक सेवा कार्य के सिंद्धात को सविस्तार समझाइये।

13. समुदायिक संगठन से आप क्या समझते हैं? सामुदायिक संगठन के द्वारा द्वारा समस्याओं को कैसे पहचाना जाता है? किसी सामुदायिक संगठन के कार्यो को बताइये।

14. स्वतंत्रतापूर्व एवं स्वतंत्रयोत्तर भारत में किये गये समाजकार्य की विवेचना कीजिए।

15. टिप्पणी लिखिये– हरिजन सेवक संघ, सामाजिक संस्थाएँ, परिपक्वता, अभिप्रेरण संबल की प्रविधि, खोज की प्रविधि।

16. भारत में समाज कार्य के उद्‌भव एवं विकास की विवेचना कीजिए। वैयक्तिक समाज कार्य पद्धति की प्रमुख प्रविधियों की विवेचना कीजिए।

17. सामूहिक समाजकार्य के प्रमुख सिद्धान्तों एवं उसकी व्यावहारिक उपयोगिता बताइए।

18. सामुदायिक संगठन को परिभाषित करते हुए इसकी सामुदायिक विकास में उपयोगिता बताइए।

19. निम्नांकित पर टिप्पणी लिखिए– (1) मूल प्रवृत्तियाँ (2) संवेग (3) सामाजिक अभिप्रेरणा

20. इसाई मिशनरियों द्वारा किए जाने वाले समाज कार्य के गुण व दोष बतायें।

21. मन को परिभाषित करते हुए चेतन, अर्द्धचेतन, अचेतन मन को समझाइए।

22. भारत में सबसे पहले समाज सेवा का कार्य किस क्षेत्र में प्रारम्भ हुआ। स्वतंत्रतापूर्व किए गए समाज सेवा के कार्यों की विवेचना कीजिए।

23. संवेग के विकास के किसी कारकों को स्पष्ट करें।

24. सामुदायिक विकास से आप क्या समझते हैं? भारत में लागू सामुदायिक विकास योजना की प्रमुख विशेषतायें बताइये।